M.W
14.7.21

Date
Page

मेरा प्रियमित्र

मेरे प्रिय मित्र का नाम रोहन है। वह मेरे साथ ही मेरी कक्षा में पढ़ता है। वह अपने दादा और दादी और पिता माता के साथ विजय नगर में रहता है। रोहन बहुत ही समझदार और आज्ञाकारी बालक है। वह हमेशा बड़ो का आदर करता है। विद्यालय में सभी के लिए उसका व्यवहार बहुत ही विनम्र है। वह कभी किसी से झगड़ता नहीं है। वह सबकी मदद करता है। उसकी कॉपी किताबें बहुत ही साफ व सुंदर रहती है। मेरा मित्र समय के महत्व को जानता है। वह नियमानुसार अपना कार्य करता है। वह समय

पर विद्यालय पहुँचता है। उसने अपने दिन के सभी कार्यों की एक समय नालिका बना रखी है। वह कक्षा में हमेशा प्रथम आता है। वह खेलों में भी आगे रहता है। और अनेक पुरस्कार प्राप्त करता है। विद्यालय को उस पर गर्व है। उसके इन्ही गुणों से प्रभावित होकर मैंने उसे अपना मित्र बनाया है। मेरे मित्र पर मुझे ही नहीं बल्कि मेरे माता पिता को भी गर्व है।